Regarding filling up of vacancies for employment of youths in Delhi Government

श्री रमेश बिधूड़ी **(**दक्षिण दिल्ली**):** महोदय, मैं आपका हृदय की गहराई से आभार व्यक्त करता हूं । दिल्ली के अंदर एक संवेदनहीन सरकार काम कर रही है । यहां के मुख्यमंत्री माननीय ... के बारे में जानकारी देना चाहता हूं कि किस प्रकार से युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है ।

दिल्ली के युवाओं के रोजगार के विषय पर केंद्र सरकार का ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं कि वह इंटरफेयरेंस जरूर करे । दिल्ली में ...***** सरकार रही है । उसने 2015 में 70 वादों की सूची जारी की थी उस सूची में कहा गया था कि हम खाली पड़े 55000 पदों पर भर्ती करेंगे । फिर पांच साल के बाद वर्ष 2020 में Manifesto में वादा किया की सभी संविदा कर्मचारियों को स्थायी भी किया जाएगा। परन्तु सच्चाई कुछ और है । दिल्ली के युवाओं को भ्रमित करने के लिए पहले उन्हें Bus Marshal के तौर पर संविदा पर रखा । युवक और युवतियों दोनों की ही इसमें संख्या है । उनसे कार्यकर्ताओं के रूप में काम करवाया और कहा कि तुम्हें पक्का कर देंगे । 8000 Civil Defence Marshals को पहले Temporary नौकरी पर रखा । उसके बाद अपना राजनैतिक स्वार्थ सिद्ध होने के बाद उन्हें नौकरी से हटा दिया गया । उन्हें 6 महीने तक सैलरी नहीं दी गयी । उसके बाद ... की सरकार ने उनकी नौकरी समाप्त करने का निर्णय करने के साथ-साथ ही 8000 परिवारों के लगभग 40 हजार लोगों का भविष्य अंधकार में कर दिया है । क्योंकि उनका समय निकल गया और वे 22-23 साल के बाद 28-29 साल के हो गए । अब वे सरकारी नौकरी भी प्राप्त नहीं कर सकते हैं । मैं पहले भी कहा करता था कि वे नौजवानों को सिविल डिफेंस के नाम से भ्रमित कर रहे हैं । सर यह दुर्भाग्यपूर्ण है । अब मैं एक निवेदन करना चाहता हूं । वे प्रदर्शन भी कर चुके हैं । एक कर्मचारी की मृत्यु भी हुई, उनके साथ लाठीचार्ज किया गया, उनको जेल भेजा गया । मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से निवेदन है कि दिल्ली एनसीटी है । दिल्ली के बजट में कोई प्रोविजन किया जाए और उन 60-70 हजार परिवारों की रक्षा के लिए आठ हजार सेल्फ डिफेंस के रूप में युवक-युवतियों को पुन: कहीं न कहीं नौकरी दी जाए। उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो । आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे इस सेंसेटिव विषय पर बोलने का मौका दिया ।